झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

प्रोत्साहन राशि का भुगतान मिशन मोड मे कैम्प लगाकर करें – सी0 के0 मिश्रा

रांची, दिनांक 29/7/2015 को IPH नामकुम के सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड़ के सभी कार्यक्रमों की समीक्षा सी0 के0 मिश्रा, अपर सचिव सह अभियान निदेशक NHM भारत सरकार, स्वा0 एवं0 परि0 कल्याण विभाग तथा उनके टीम के द्वारा किया गया। उन्होने समीक्षा करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तथा शहरी क्षेत्रों के स्वास्थ्य सूचकांक में बहुत अंतर है। इस अंतर को समाप्त करने के लिए हमें विशेष कार्यक्रम बनाने कि आवश्यकता है। अलग अलग क्षेत्रों का विश्लेषण कर उनके आवश्यकतानुसार प्लान बनाना होगा। उन्होने सहयोगात्मक पर्यवेक्षण तथा अनुश्रवण को सशक्त करने तथा प्रभावी ढंग से अनुश्रवण करने का सुझाव दिया। उन्होने कहा कि राज्य को किसी विशेष प्रकार की सहायता की आवश्यकता है तो सीधे विभाग से संपर्क करें। भारत सरकार हर सम्भव सहायता करने का प्रयास करेंगी। मानव संसाधन की समीक्षा करते हुए उन्होने कहा कि जिलों में आवश्यकता अनुसार मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करें। जिस व्यक्ति को जिस कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण दिया गया है, उनसे वही काम लिया जाना चाहिए। लेबर रूम के कार्यरत ANM तथा चिकित्सको को सभी प्रकार के प्रशिक्षण देने पर जोर दिया।

प्रोत्साहन राशि आदि के भुगतान के संबंध में उन्होने कहा कि सहिया, JSY लाभार्थी, JSSk के लाभार्थी, आदि को समय से प्रोत्साहन राशि नही मिल रहा है। जिससे इन सेवाओं के प्रति लोगों के जागरूकता में कमी आ रही है। इन सेवाओं के प्रोत्साहन राशि से संबंधित सभी प्रकार के बकाया राशि भुगतान को यथा शीघ्र करने तथा इसके लिए मिशन मोड में कैम्प लगाकर काम करने का निर्देश दिया।

दवाओं की उपलब्धता के संबंध में उन्होने कहा कि सबसे पहले बेसिक मेडिसिन की सूचि बनाए तथा सभी अस्पतालों में इनकी उपलब्धता सुनिश्चित करे साथ ही दवाओ की खरीद एक युनिट से करने का निर्देश दिया। दवा के अभाव मे कोई मरीज लौटना नही चाहिए।
परिवार नियोजन के समिक्षा करते हुए उन्होने कहा कि PPIUCD, IUCD, Oral Pills आदि के उपयोग के संबंध में लोगो को जागरूक करने की आवश्यकता है। उन्होने कहा कि पुरूषों को भी परिवार नियोजन के साधनो को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने तथा राज्य का Total Fertility Rate कम करने के लिए विशेष काम करने की आवश्यकता है।

भारत सरकार के टीम के द्वारा HMIS के आधार पर जिला स्तरीय तथा राज्य स्तरीय समीक्षा करने सभी अस्पतालों तथा Medical College में 0-Dose का टीका बच्चो को देना , ममता वाहन को 102 टोल फ्री से जोडने, सभी जिला अस्पतालों तथा First Referral Unit में Blood Bank शुरू करने, IFS तथा Albendazole की उपयोग बढाने, कालाजार को झारखण्ड से समाप्त करने हेतु रणनिति बनाकर काम करने, सरकारी अस्पतालो में C-Section कम होने की विश्लेषन कर आवश्यक कदम उठाने,

Malnutrition Treatment Centre मे मानव संसाधन की नियुक्ति करने, मेडिकल equipment, तथा मशीनों की समय से मरम्मत करने आदि का निर्देश दिया।

टीम के द्वारा राज्य में टीकाकरण का कवरेज 77 % पहुँचने तथा रिकोर्ड किपिंग की सराहना की गई। उन्होने कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग भारत सरकार के गाईड लाईन कुछ बदलाव करना हो तो आप राज्य सरकार से अनुमति लेकर कर सकते है।

के0 विद्या सागर, प्रधान सचिव, स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि DPMU को सामंज्स्य के साथ बेहतर ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होने गुमला जिलें के DPM-Unit के सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों को भारत सरकार के टीम के सुझावों को अमल करने निर्देश दिया।

आशीष सिंहमार, अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने कहा कि 166 स्पेस्लिस्ट चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है और चिकित्सको की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड भारत सरकार के टीम के सुझावों पर अमल करने तथा राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का हर संभव प्रयास करेगी।

भारत सरकार के टीम के द्वारा इस्से पहले गुमला जिला के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रायडीह तथा स्वास्थ्य उपकेन्द्र, पतिया का भ्रमण किया गया। इस टीम में डॉ0 दिनेश बसवाल D.C., (M.H.), साहिल चोपडा, परामर्शी (CH), डॉ0 अर्पना कुल्लु, वरीय परामर्शी (NHM), संजीव गुप्ता (Fin. Controller), वेंकटेस रोडर, परामर्शी (NHSRC), और मोना गुप्ता (TSA) शामिल थे।

समिक्षा बैठक के उपरांत सी0 के0 मिश्रा, अपर सचिव सह अभियान निदेशक NHM भारत सरकार, स्वा0 एवं0 परि0 कल्याण विभाग, आशीष सिंहमार, अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, डॉ0 दिनेश बसवाल D.C., (M.H.), डॉ0 सुमंत मिश्रा, निदेशक प्रमुख, के द्वारा एन0 एच0 एम0 के कैम्पस में वृक्षारोपन भी किया गया।

इस बैठक में राम कुमार सिन्हा, उपसचिव स्वास्थ्य, डॉ0 सुमंत मिश्रा, निदेशक प्रमुख, डॉ0 मधुलिका जोनाथन चीफ, युनिसेफ झारखण्ड, डॉ0 प्रवीण चन्द्रा, निदेशक प्रमुख खाद्य, सभी निदेशक, उपनिदेशक, कार्यक्रम प्रभारी, पदाधिकारी एन0 एच0 एम0 के कर्मी आदि उपस्थित थे।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग